दिनांकः 01.01.2025 समय : 18.30 पीएम

आकाषवाणी जयपुर–अजमेर
प्रादेषिक समाचार

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को जारी रखने का फैसला किया–डीएपी उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ाकर साढ़े तीन हजार रुपये प्रति मीट्रिक टन की गई।

प्रदेश में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की शुरूआत–31 जनवरी तक विभिन्न जागरुकता गतिविधियां आयोजित होंगी।

नए साल के पहले दिन मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर जनसैलाब उमड़ा।

प्रदेश के कुछ हिस्सों में आगामी दिनों में घना कोहरा छाए रहने और शीत लहर चलने की सम्भावना।

.....

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को जारी रखने का फैसला किया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना के लिए आवंटित राशि बढाकर 69 हजार 515 करोड रुपये कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत बीमित किसानों में 88 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान हैं, और इनमें 57 प्रतिशत किसान अन्य पिछडा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नव वर्ष–2025 में मंत्रिमंडल की पहली बैठक किसानों को समर्पित है।

.....

मंत्रिमंडल ने डीएपी उर्वरकों पर सब्सिडी बढाकर साढे तीन हजार रुपये प्रति मीट्रिक टन करने की भी मंजूरी दी है। इससे किसानों को किफायती मूल्य पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। श्री वैष्णव ने कहा कि इस पर आने वाला अतिरिक्त भार केंद्र सरकार उठाएगी।

.....

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कैबिनेट के निर्णयों का स्वागत किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि नए साल का पहला फैसला किसानों को समर्पित है। इससे फसलों को और ज्यादा सुरक्षा मिलेगी और नुकसान की चिंता कम होगी।
केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी मंत्रिमंडल के फैसलों का स्वागत किया।

.....

केन्द्र सरकार ने वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन–ओएनओएस योजना की आज से शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को सिंगल सब्सक्रिप्शन प्लेटफार्म के तहत शोधपत्रों, जरनल्र्स और शैक्षिक सामग्री तक आसान पहुंच उपलब्ध कराना है। इस योजना से अलग–अलग जगह सब्सक्रिप्शन लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। विश्वविद्यालयों और आईआईटी सहित सरकारी सहायता प्राप्त उच्च शिक्षा संस्थानों के एक करोड 80 लाख विद्यार्थियों को इस पहल से दुनियाभर के शीर्ष जरनल में प्रकाशित शोध पत्रों को देखने की सुविधा मिलेगी। ये योजना तीन चरणों में लागू होगी।

.....

प्रदेश में आज से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह शुरू हुआ। इसके तहत 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाने के लिए विभिन्न आयोजन होंगे। इस वर्ष की थीम ''परवाह'' रखी गई है। इस अवसर पर हनुमानगढ में आज जागरुकता रैली निकाली गई। इसके माध्यम से

लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। करौली में यातायात पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर चैक प्वाइंट बनाकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान काटे। इस अवसर पर हेलमेट लगाओ, जान बचाओ अभियान चलाकर जागरुकता का संदेश दिया गया। सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए पाली में पुलिस के इंटरसेप्टर वाहन का उद्घाटन किया गया। ये वाहन आधुनिक तकनीक से लैस हैं। झुंझुनूं में इस अवसर पर ई–रिक्शा रैली निकाली गई, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुज़री। जिला परिवहन अधिकारी डॉ. मक्खन लाल जांगीड़ ने बताया कि ई–रिक्शा के माध्यम से महीनेभर तक लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी जाएगी।

.....

बाड़मेर ज़िला मुख्यालय पर मल्लीनाथ चौराहे से वाहन रैली के साथ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की शुरूआत हुई। इस दौरान आमजन को यातायात नियमों की पालना करने का संदेश दिया गया। ब्यावर में रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से हेलमेट लगाने के लिए जागरुक किया गया। इसमें यातायात पुलिसकर्मी, मोटर ड्राइविंग स्कूल, स्वंय सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

.....

नए साल का पहला दिन लोगों ने उमंग, ऊर्जा और उल्लास के साथ मनाया। लोगों ने मंदिरों और धार्मिक स्थलों के दर्शन कर नए वर्ष का स्वागत किया। विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। राजधानी जयपुर के मोती डूंगरी स्थित गणेश मंदिर और गोविंददेव जी मंदिर सहित कई छोटे–बड़े मंदिरों में लोगों ने भगवान के दर्शन कर पूजा अर्चना की और सुख–समृद्धि की प्रार्थना की। हमारे संवाददाता ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी मोती डूंगरी मंदिर पहुंचकर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की।

.....

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने आज डीग के पूंछरी का लौठा में भगवान श्रीनाथ का अभिषेक किया। उन्होंने अधिकारियों को मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। चूरू के सालासर बालाजी धाम में पड़ोसी राज्यों से भी भक्त पहुंचे। रणथम्भौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ रही। चौथ का बरवाड़ा में चौथ माता मंदिर में श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किये। जैसलमेर के तनोट माता मंदिर में विशेष आरती की गई। इस दौरान सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी, जवान और श्रद्धालु मौजूद रहे।
राजसमंद के श्रीनाथ जी मंदिर और सीकर के खाटूश्यामजी तथा जीण माता मंदिर में श्रद्धालुओं की लम्बी कतारें देखी जा रही हैं। करौली के कैलादेवी और मदनमोहन जी मंदिर में भी दूर–दराज से लोग आराधना के लिए पहुंचे हैं।
चित्तौड़गढ़ के सांवलियाजी मंदिर में आज श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड आवक हुई। हमारे संवाददाता ने बताया कि सुबह पांच बजे मंगला आरती के समय से ही भारी संख्या में दर्शनाथिर्यों की लम्बी लाइन लगी रही।

.....

श्रद्धालुओं की बड़ी तादाद में आने के मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा और यातायात के विशेष प्रबंध किये गये।
कई लोगों ने जरूरतमंदों को आवश्यक वस्तुएं दान कर नए साल की शुरूआत की। अजमेर में सीआरपीएफ की ओर से राजकीय जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में मरीजों को कम्बल बांटे गए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से आज नए साल के मौके पर मिलने बड़ी संख्या में आम और विशिष्ट लोग पहुंचे। राज्यपाल ने भी सभी को बधाई देते हुए मंगल की कामना की। लोकायुक्त प्रताप कृष्ण लोहरा ने भी राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें राजस्थान का 36वाँ वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

.....

प्रदेश के कुछ हिस्सों में आने वाले दिनों में घना कोहरा छाए रहने और कहीं–कहीं शीत लहर चलने की सम्भावना है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढोतरी के आसार हैं।

आज सुबह कई स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा। सवाईमाधोपुर, चूरू, भरतपुर, अजमेर, नागौर, हनुमानगढ, झुंझुनूं, झालावाड़ और भीलवाडा में कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम रही। कुछ स्थानों पर दृश्यता दस से पचास मीटर के बीच दर्ज की गई। इससे वाहनों के आवागमन में परेशानी हुई। सीकर में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। हमारे संवाददाता ने बताया कि वहां आज सुबह ठंड और गलन का असर रहा।

.....

बाडमेर में आज से अमृता हाट मेले की शुरूआत हुई। मेले में 50 से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों की ओर से विभिन्न उत्पादों की स्टॉल्स लगाई गई हैं। मिट्टी के बरतन, ऊनी पट्टू, मीनाकारी और कशीदाकारी के उत्पादट्ट कैर–सांगरी, कुमठिया जैसे खाद्य उत्पाद मेले में उपलब्ध हैं। मेला 5 जनवरी तक चलेगा।

.....

जयपुर में कल से नाट्य महोत्सव राजरंगम की शुरूआत होने जा रही है। जवाहर कला केन्द्र में 6 जनवरी तक चलने वाले इस उत्सव का आयोजन संस्कृति मंत्रालय की ओर से किया जा रहा है। राजरंगम में पांच नाटकों का मंचन किया जाएगा और डेढ़ सौ कलाकार अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

.....